भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 977
उत्तर देने की तारीख 10.02.2025

राष्ट्रीय जैन संस्कृति संरक्षण बोर्ड

977. श्री इमरान मसूद :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव पर सरकार द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है;

(ख) अल्पसंख्यक जैन समुदाय की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए सरकार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास जैन संस्कृति के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय बोर्ड गठित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो कब तक ऐसा किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार का राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद के लिए सभी अल्पसंख्यक समुदायों से एक सदस्य को रोटेशन के आधार पर नियुक्त करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो कब तक ऐसा किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): संस्कृति मंत्रालय ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर, भगवान महावीर के जीवन और शिक्षाओं का सम्मान करने के लिए 13 नवंबर, 2023 से 13 नवंबर, 2024 तक 2550वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव का आयोजन किया। इस समारोह का उद्घाटन 21 अप्रैल, 2024 को महावीर जयंती के अवसर पर भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। उद्घाटन

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने पूज्य भगवान महावीर के गहन आध्यात्मिक योगदान के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी प्रतिमा पर चावल और पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत "वर्तमान में वर्धमान" नामक एक आकर्षक नृत्य नाटिका भी शामिल थी, जिसमें भगवान महावीर के जीवन और शिक्षाओं के सार को खूबसूरती से दर्शाया गया था और अहिंसा, करुणा और सत्य का उनका संदेश दिया गया था।
यह स्मरणोत्सव वर्ष भर जारी रहा, जिसमें अहिंसा, सत्य और सामाजिक न्याय पर भगवान महावीर की शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आज के जगत में महावीर जी के मूल्यों की प्रासंगकिता पर विचार-विमर्श करते हुए लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को शामिल करना था ताकि वे शांति, करुणा और न्याय परायणता के सिद्धांतों से जीवन जीने के लिए प्रेरित हो सकें।

जैन संस्कृति के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय बोर्ड के गठन का प्रस्ताव और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद पर सभी अल्पसंख्यक समुदायों से रोटेशन के आधार पर एक सदस्य की नियुक्ति का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

*****